**भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा द्वारा बरेली जनपद के ब्लाक शेरगढ़ में एक दिवसीय कृषक मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन**

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा द्वारा बरेली जनपद के ब्लाक शेरगढ़ में एक दिवसीय कृषक मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन कियां जिसमें किसान एवं पशुपालकों ने भाग लिया।

मेला के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए संस्थान के संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा डा. हरेन्द्र कुमार गुप्ता ने सभी किसान भाइयों को मेले में सम्मिलित होने के लिए सभी किसान भाइयों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आज परिवर्तन का दौर है अतः हमें परम्परागत कृषि के बजाय आधुनिक व वैज्ञानिक पद्धति को अपनाना होगा तभी हम आत्म निर्भर हो सकते हैं। उन्होंने केवल कृषि के बजाय मिश्रित कृषि पर जोर दिया साथ ही मछली पालन, शूकर पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन एवं मुर्गीपालन को वैज्ञानिक पद्धति से करने की सलाह दी। उन्होंने पशुओं में गर्भाधान सम्बन्धित बीमारियों के बारे में भी उपस्थित किसानों को जानकारी दी। डा. गुप्ता ने कहा कि बीमारियों से बचने के लिए समय-समय पर पशुओं का टीकाकरण अवश्य करायें इसके साथ ही अच्छे उत्पादन के लिये मिटटी की जांच अवश्य करायें तथा रसायनिक खाद का कम इस्तमेमाल कर जैविक खाद को प्रयोग में लाये जिसे भूमि की उर्वरता शक्ति बढ़ायी जा सके। डा. गुप्ता ने पर्यावरण संतुलन पर ध्यान देने तथा पराली न जलाने की भी अपील की। खण्ड विकास अधिकारी श्री नेम सिंह ने आईवीआरआई द्वारा इस मेले को आयोजित करने के लिए संस्थान को बधाई दी तथा राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निराआश्रित गो वंश के लिये सरकार द्वारा 9 अस्थायी गोशाला का निमार्ण किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आवारा पशुओं के लिए शेल्टर बनाये जायेंगे तथा इसके देख-रेख के लिए सरकार धन उपलब्ध करायेगी।

इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर अपना व्याख्यान दिया जिसमें संस्थान के कृषि विज्ञान केन्द्र के डा. रंजीत सिंह ने बागवानी पर बोलते हुए कहा कि किसान अपने क्षेत्र की भूमि की उर्वरा शक्ति के अनुसार फल, फूल, सब्जी आदि का उत्पादन कर सकते हैं इसके लिए उन्हें खेती में वैज्ञानिक पद्धति को अपनाना होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किसान गन्ने के बीच-बीच में मटर, धनिया आदि उगा सकते हैं। उन्होंने सहबन्धी के रूप में फसल उगाने पर जोर दिया।

इसी कड़ी में संस्थान के औषधि विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डा. उमेश डिमरी ने भी जीवाणु तथा विषाणु रोगों तथा पशुओं को बीमारी से बचाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हवा, पानी खाना तथा छूना ये बीमारी के वाहक हैं अतः इनसे बचने के लिए सफाई का विशेष ध्यान दें तथा रोगी पशुओं को स्वस्थ्य पशुओं से अलग रखें। इसी प्रकार मृदा प्रबन्धन के बारे में डा. वाणी यादव ने कहा कि रसायनों के अधिक मात्रा में प्रयोग होने से भूमि के पोषक तत्व नष्ट होते जा रहे हैं अतः आज आवश्यकता है कि इन रसायनिक उर्वरकों की मात्रा नियंत्रित करें तथा भूमि के पोषक तत्वों को बनाये रखने के लिए जैविक खादों का प्रयोग करें। संस्थान के डा. रंजना गुप्ता ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान दिया

इस अवसर पर शेरगढ ब्लाक के पशुचिकित्साधिकारी डा. सारर्दुल ने भी पशु रोगों तथा उनसे बचाव व निदान तथा आईवीआरआई के शल्य चिकित्सा विभाग के डा. रोहित ने भी पशुओं में हड्डी टूटने तथा उसके प्राथमिक उपचार के बारे में बताया। संस्थान के श्री दुर्गादत शर्मा ने मतस्य पालन पर जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी श्री जे.पी. सिंह, डा. शारदुल, संस्थान के कृषि विज्ञान प्रभारी डा. बी.पी. सिंह, डा. मदन, श्री एन.के.सिंह श्री वीर सिंह, श्री यशपाल, श्री सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वाणी द्वारा किया गया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा. बी.पी. सिंह द्वारा किया गया।

एक दिवसीय कृषक मेला/प्रदर्शनी

एक दिवसीय कृषक मेला/प्रदर्शनी